CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 07 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

भाग्यवादी लोग प्रायः कहा करते हैं कि जब भाग्य में नहीं तो सभी परिश्रम व्यर्थ हो जाते हैं। थोड़ी देर के लिए यदि उनकी विचारधारा को ही मान लिया जाए तो भी भाग्य के भरोसे बैठने वाले व्यक्ति की अपेक्षा कर्मशील व्यक्ति ही कहीं अधिक श्रेष्ठ है। कर्म करने के उपरांत यदि असफलता भी मिलती है तो भी व्यक्ति को यह सोचकर विशेष पछतावा नहीं होगा कि उसने प्रयत्न और चेष्टा तो की सफलता का निर्णय परमात्मा के अधीन है।

दूसरी ओर ऐसे लोग जो भाग्य के सहारे बैठे रहते हैं और प्रतीक्षा करते रहते हैं कि अली बाबा की सिम-सिम वाली गुफा का द्वार कब खुलता है, उन्हें जब असफलता का अँधेरा अपने चारों ओर घिरता दिखाई देता है, तब वे प्रायः पछताया करते हैं कि उन्होंने व्यर्थ ही समय क्यों गँवाया। हो सकता था कि उनका परिश्रम और यत्न सफल रहता, किंतु अब बीते समय को लौटाया नहीं जा सकता। इस रत्नगर्भा धरती में हीरे-मणि-माणिक्य का अभाव नहीं है। धरती का विस्तीर्ण अतल गर्भ अनंत धनराशि से भरा पड़ा है। आवश्यकता है, इसके वक्ष को चीरकर उन्हें उगलवा लेने वाले दृढ़ संकल्प और साहस की। धरती की कामधेनु तो उन्हें ही अमृतरस बाँटती है जो लौहकरों से उसका दोहन करते हैं।

I. भाग्यवादी अपनी सफलता का श्रेय किसे देते हैं?
   i. भाग्य को
   ii. परिश्रम को
   iii. कर्मशीलता को
   iv. मेहनत को

II. धरती को रत्नगर्भा क्यों कहा गया है?

i. क्योंकि ये रत्नगर्भा है

ii. क्योंकि इसके गर्भ में अनंत रत्न हैं

iii. क्योंकि ये रत्न का उत्पादन करती है

iv. क्योंकि इससे अनेक रत्नों ने जन्म लिया

III. कर्मशील व्यक्ति को पछतावा क्यों नहीं होता है?

i. क्योंकि वह कर्म करना जानता है

ii. क्योंकि उसका मानना है कि कर्म अमूल्य है

iii. क्योंकि उसका मानना है कि उसने प्रयास तो किया

iv. क्योंकि वह भाग्य को अधिक मानता है

IV. असफलता का अँधेरा घिरता देखकर कौन पछताता है?

i. कर्मशील व्यक्ति

ii. भाग्यवादी व्यक्ति

iii. मेहनती व्यक्ति

iv. परिश्रमी व्यक्ति

V. धरती में छिपे रत्नों को कौन निकालकर लाते हैं?

i. कर्मशील व्यक्ति

ii. भाग्यवादी व्यक्ति

iii. आलसी व्यक्ति

iv. इनमें से कोई नहीं

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

विद्युत शक्ति एक प्रकार का कल्पवृक्ष है जो स्वर्ग से आकर मृत्युलोक में उपस्थित हो गया। जरा बटन दबा कि सारा नगर विद्युत की विशुद्ध निर्मल ज्योत्सना में निमग्न हो गया। "तमसो मा ज्योतिर्गमय" की प्रार्थना भगवान ने न सही पर विज्ञान देवता ने तो स्वीकार कर ली। इतना ही नहीं विद्युत शक्ति आपकी क्रीतदासी बनकर आपकी सेवा में सतत तत्पर रहती है। आपके हाथ के संकेत में विलम्ब हो सकता है, दासी को कार्य सम्पादन में कदापि देर नहीं होगी। यह दासी गर्मी में शीतलता प्रदान करती है, तो सर्दी में आपको गर्मी देती है। पवन देव इसी के बल से आपके इच्छानुवर्ती बन गये हैं अग्नि देव अब आपके अनुचर हैं। विद्युत द्वारा मनुष्य के चिर संचित स्वप्न साकार हो गये हैं।

I. अवतरण का उपयुक्त शीर्षक होगा:-

i. विद्युत शक्ति और पवन देवता

ii. विद्युत शक्ति की सर्वप्रधानता

iii. मानव सेवा में विद्युत शक्ति

iv. विद्युत शक्ति की महिमा

II. पूरे अवतरण का सारांश एक वाक्य में कहना चाहें तो वह होगा:-

i. विद्युत शक्ति मनुष्य के लिए क्रीतदासी की तरह है।

ii. विद्युत शक्ति के रूप में मनुष्य न देवता को पा लिया है।

iii. मनुष्य को विद्युत शक्ति के रूप में कल्पवृक्ष की प्राप्ति हुई है।

iv. विद्युत शक्ति मनुष्य के लिए पवनदेव, अग्निदेव सब कुछ हैं।

III. पहले वाक्य में विद्युत शक्ति को कल्पवृक्ष क्यों कहा गया है?

1. क्योंकि वह मनुष्य के सभी स्वप्न पूरे करती है।
2. क्योंकि उसने मृत्युलोक को स्वर्गलोक में बदल दिया।
3. क्योंकि बटन दबाते ही तुरंत चारों ओर आलोक का प्रसार हो जाता है।
4. क्योंकि उससे मनुष्य अपनी सुख-सुविधा के अनेक कार्य सम्पन्न कर सकता है।

IV. "तमसो मा ज्योतिर्गमय" उक्ति में 'तमसो का अर्थ है:-

i. अंधकार

ii. अज्ञान का अंधकार

iii. अज्ञान

iv. रात्रि का अंधकार

V. अंतिम वाक्य का आशय है:-

i. मनुष्य का सपना साकार हो गया है।

ii. मनुष्य की सभी इच्छाएँ पूरी हो गयी हैं।

iii. मनुष्य को मनचाहा अनुचर मिल गया है।

iv. अब मनुष्य को कुछ चाहना शेष नहीं।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना प्रयाप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे।

इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रुप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सदभावना , स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

I. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था?

i. निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव

ii. रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव

iii. धार्मिक भिन्ता पर आश्रित भेदभाव

iv. विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

II. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे?

i. सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना

ii. पारिवारिक अपनत्व की भावना

iii. अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव

iv. विश्वबंधुत्व की भावना

III. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था?

i. संगठन की भावना पर

ii. नैतिक मान्यताओं पर

iii. राष्ट्रीयता के विचारों पर

iv. शांति की सदभावना पर

IV. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है –

i. उनकी सुंदरता पर

ii. उनकी कोमलता पर

iii. उनके अपनत्व पर

iv. उनके कायिक प्रभाव पर

V. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

i. अफ्रीका में गांधी जी

ii. प्रवासी भारतीय और गांधी जी

iii. गांधी जी की नैतिकता

iv. गांधी जी और विदेशी शासन

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्ययनों और संयुक्त राष्ट्र की मानव-विकास रिपोर्टों ने भारत के बच्चों में कुपोषण की व्यापकता के साथ-साथ बाल मृत्यु-दर और मातृ मृत्यु दर का ग्राफ़ काफ़ी ऊँचा रहने के तथ्य भी बार-बार जाहिर किए हैं। यूनिसेफ़ की रिपोर्ट बताती है कि लड़कियों की दशा और भी खराब है।

पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बाद, बालिग होने से पहले लड़कियों को ब्याह देने के मामले दक्षिण एशिया में सबसे ज़्यादा भारत में होते हैं। मातृ-मृत्यु दर और शिशु मृत्यु-दर का एक प्रमुख कारण यह भी है। यह रिपोर्ट ऐसे समय जारी हुई है जब बच्चों के अधिकारों से संबंधित वैश्विक घोषणा-पत्र के पच्चीस साल पूरे हो रहे हैं। इस घोषणा-पत्र पर भारत और दक्षिण एशिया के अन्य देशों ने भी हस्ताक्षर किए थे। इसका यह असर ज़रूर हुआ कि बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा से संबंधित नए कानून बने,

मंत्रालय या विभाग गठित हुए, संस्थाएँ और आयोग बने।

घोषणा-पत्र से पहले की तुलना में कुछ सुधार भी दर्ज हआ है। पर इसके बावजूद बहुत सारी बातें विचलित करने वाली हैं। मसलन, देश में हर साल लाखों बच्चे गुम हो जाते हैं। लाखों बच्चे अब भी स्कूलों से बाहर हैं। श्रम-शोषण के लिए विवश बच्चों की तादाद इससे भी अधिक है वे स्कूल में पिटाई और घरेलू हिंसा के शिकार होते रहते हैं।

परिवार के स्तर पर देखें तो संतान का मोह काफ़ी प्रबल दिखाई देगा, मगर दूसरी ओर बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता बहुत क्षीण है। कमज़ोर तबकों के बच्चों के प्रति तो बाकी समाज का रवैया अमूमन असहिष्णुता का ही रहता है। क्या ये स्वस्थ समाज के लक्षण हैं?

I. यूनिसेफ की रिपोर्ट में किस बात पर चिंता व्यक्त की गई है?
   i. लडकियों की ख़राब दशा पर
   ii. कुपोषण पर
   iii. बाल मृत्यु दर पर
   iv. जन्म मृत्यु दर पर

II. घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करने का उद्देश्य क्या था?
   i. लड़कियों को बचाना
   ii. बच्चों की दशा को सुधारना
   iii. नए कानून बनाना
   iv. संस्थाएँ बनाना

III. परिवार के स्तर पर किसका मोह अधिक प्रबल दिखाई देता है?
   i. पिता का
   ii. माता का
   iii. संतान का
   iv. परिवार का

IV. कमज़ोर तबकों के बच्चों के प्रति समाज का रवैया किस प्रकार का है?
   i. संवेदनशीलता का
   ii. असंवेदनशीलता का
   iii. सहिष्णुता का
   iv. असहिष्णुता का

V. बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता कैसी है?
   i. क्षीण
   ii. न्यून
   iii. अधिक
   iv. मज़बूत

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

ii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iii. 'मैं **कल चार बजे** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. 'वह नौकर से कपड़े **धुलवा रही है।**' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गईं

d. वह बहुत धीरे चल रही है

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान करो-

a. वर्षा तब हुई, जब सुबह हुई।

b. सुबह होने पर वर्षा होने लगी।

c. सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

d. जैसे ही सुबह हुई, वर्षा होने लगी।

ii. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. अगर तुम बैठे हो तो उसकी प्रतीक्षा कर लो।

b. तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

c. तू यहाँ बैठ कर उसकी प्रतीक्षा करो।

d. जब तुम यहाँ बैठो. तो उसकी प्रतीक्षा कर लेना।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्यों की पहचान कीजिए-

a. क्योंकि नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

b. नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

c. नीलू बीमार होने के कारण बाज़ार नहीं गई।

d. नीलू तब बाज़ार नहीं गई, जब वह बीमार थी।

iv. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. मैं गले में दर्द होने के कारण कुछ नहीं बोलूँगा।

b. क्योंकि मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

c. मेरे गले में दर्द है। मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

d. मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. यद्यपि कल छुट्टी है, इसलिए बाज़ार बंद रहेगा।

b. जब छुट्टी होगी, तब बाज़ार बंद रहेगा।

c. छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।

d. कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. जिस समस्त पद के विग्रह में कारकीय चिह्नों का प्रयोग किया जाता है-

a. तत्पुरुष

b. कर्मधारय

c. द्विगु

d. द्वंद्व

ii. जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, _____कहलाता है।

a. अव्ययीभाव समास

b. बहुब्रीहि समास

c. तत्पुरुष समास

d. द्वंद्व समास

iii. जिस पद में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है।

a. कर्मधारित समास

b. कर्मधारण समास

c. कर्मधारय समास

d. कर्मधरय समास

iv. जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है।

a. द्विगु समास

b. तत्पुरुष समास

c. द्वंद्व समास

d. कर्मधारय समास

v. इस समास में पूर्व पद व उत्तर पद की अपेक्षा कोई अन्य पद प्रधान होता है।

a. कर्मधारय समास

b. बहुब्रीहि समास

c. द्वंद्व समास

d. द्विगु समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कठिनाई का सामना करना

a. आटे-सब्ज़ी का भाव मालूम होना

b. दाल-रोटी का भाव मालूम होना

c. दाल-सब्ज़ी का भाव मालूम होना

d. आटे-दाल का भाव मालूम होना

ii. बहुत क्रोध करना

a. आग का अंगारा बनना

b. आग बबूला होना

c. आग जलना

d. आग का शोला भड़काना

iii. घाव पर नमक छिड़कना

a. किसी का दुःख बाँटना

b. चोट पर नमक डालना

c. घायल होना

d. दुखी व्यक्ति को और दुःख देना

iv. माँ रात भर अपने पुत्र की _____ पर वह नहीं आया।

a. प्रतीक्षा करती रही

b. बाट जोहती रही

c. आरती उतारती रही

d. तरफ देखती रही

v. अपने प्राणों की परवाह न करना

a. कोई विकल्प सही नहीं है

b. सिर पर कपड़ा बाँधना

c. सिर पर रुमाल बाँधना

d. सिर पर कफ़न बाँधना

7. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

बांध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
खींच दो अपने खूँ से ज़मी पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावण कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

I. किसे सर पर कफ़न बाँधने के लिए कहा गया है ?

i. सैनिक को

ii. देशवासियों को

iii. राम को

iv. लेखक को

II. "खींच दो अपने खूँ से ज़मी पर लकीर" से क्या तात्पर्य है?

i. जमीन पर अपने खून से लकीर खींचना

ii. खून से रंग देना

iii. मातृभूमि के लिए खुद का बलिदान देना

iv. कुछ नहीं करना

III. इस पद्यांश में सीता किसकी प्रतीक है?

i. भारत देश

ii. सैनिक

iii. एक नारी

iv. सीता

IV. उठने वाले हाथ को तोड़ने से क्या तात्पर्य है?

i. किसी का हाथ तोड़ देना

ii. दामन नहीं छूने देना

iii. हाथ उखाड़ देना

iv. दुश्मन को संभलने का मौका नहीं देना

8. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

बाइबिल के सोलोमन जिन्हें कुरआन में सुलेमान कहा गया है, ईसा से 1025 वर्ष पूर्व एक बादशाह थे। कहा गया है, वह केवल मानव जाति के ही राजा नहीं थे, सारे छोटे बड़े पशु-पक्षी के भी हाकिम थे। वह इन सबकी भाषा भी जानते थे। एक दफा सुलेमान अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चीटियों ने घोड़ों की टापों की आवाज सुनी तो डर कर एक-दूसरे से कहा, ' आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज आ रही है।' सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए और चीटियों से बोले, 'घबराओ नहीं, सुलेमान को खुदा ने सबका रखवाला बनाया है। मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ, सबके लिए मुहब्बत हूँ।'

चीटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की और सुलेमान अपनी मंजिल की ओर बढ़ गए।

I. सुलेमान सबके राजा थे। कैसे?
   i. वह पूरी मानव जाति के राजा थे
   ii. वह सब पर जुल्म करते थे
   iii. वे मनुष्य और पशु-पक्षियों के रखवाले थे
   iv. वे युद्ध लड़ते थे

II. खुदा ने सुलेमान को किसका रखवाला बनाया था?
   i. सारे जीव-जंतुओं का
   ii. चीटियों का
   iii. मानव जाति का
   iv. अपने परिवार का

III. सुलेमान किधर से गुजर रहे थे?
   i. मैदान से
   ii. रास्ते से
   iii. घर से
   iv. पानी से

IV. चीटियाँ क्यों डर गईं?
   i. फौज के आने का सुनकर
   ii. सुलेमान को देखकर
   iii. घोड़े के टाप की आवाज से
   iv. रखवाले को देखकर

V. सुलेमान ने चीटियों की बात क्यों सुन ली?
   i. क्योंकि खुदा ने उनको सबका रखवाला बनाया था
   ii. क्योंकि चीटियाँ जोर से बात कर रहीं थी
   iii. क्योंकि वे सबके लिए मुसीबत थे
   iv. क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

शाम को वह मुझे एक 'टी-सेरेमनी' में ले गए। चाय पीने की यह एक विधि है। जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं। वह एक छः मंजिली इमारत थी जिसकी छत पर दफ़्ती की दीवारोंवाली और तातामी (चटाई) की ज़मीनवाली एक सुंदर पर्णकुटी थी। बाहर बेढब-सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ-पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर गए। अंदर 'चाजीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो...झो...(आइए, तशरीफ़ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बरतन ले आया। तौलिए से बरतन साफ़ किए। सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से की कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानो जयजयवंती के सुर गूंज रहे हों। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

I. चायदानी के पानी के खदबदाने का क्या तात्पर्य है?
   I. वातावरण का शांत होना
   II. वहाँ पर किसी की उपस्थिति नहीं होना
   III. चाय का बनना
   IV. चायदानी का खराब होना

II. टी सेरेमनी में कहाँ पर चाय पी जा रही थी?
   I. छः मंजिले इमारत में
   II. एक पर्णकुटी में
   III. एक अच्छे होटल में
   IV. जापान में

III. टी सेरेमनी में लोग क्यों आते थे?
   I. चाय पीने
   II. घूमने
   III. चिंतामुक्त होने
   IV. प्रतिस्पर्धा करने

IV. जयजयवंती के सुर गूँजते हुए कब प्रतीत हो रहे थे?
   I. गाने सुनने के समय
   II. दौड़ने के समय
   III. चाय पीने के समय
   IV. चाय पिलाने की तैयारी के समय

V. किसने कमर झुकाकर प्रणाम किया?
   I. चाजीन ने
   II. लेखक के मित्र ने
   III. लेखक ने

IV. एक आदमी ने

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:
    i. बड़े भाई साहब पाठ से कैसे पता चलता है कि छोटा भाई अपने भाई साहब का आदर करता है ?
    ii. वामीरो ने मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया? तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।
    iii. लेखक के अनुसार मानव के पूर्व और वर्तमान स्वरूप में क्या अंतर आ गया है? अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए।
11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:
    मनुष्यता कविता का मूल भाव अपने शब्दों में समझाइए।
12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:
    i. विद्यालय में प्रधानाचार्य व शिक्षकों का व्यवहार छात्रों से किस प्रकार होंना चाहिए? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर तर्क देते हुए उत्तर लिखिए।
    ii. हरिहर काका के जीवन के अनुभवों से हमें क्या सीख मिलती है ? पाठ के आधार पर लिखिए।
    iii. पढ़ाई में तेज़ होने पर भी कक्षा में दो बार फेल हो जाने पर टोपी के साथ घर पर या विद्यालय में जो व्यवहार हुआ उस पर मानवीय मूल्यों की दृष्टि से टिप्पणी कीजिए।
13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:
    i. **इंटरनेट** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।
        - सुविधा
        - मुट्ठी में दुनिया
        - समय की बचत
    ii. **लोकतंत्र और चुनाव** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
        - लोकतंत्र से तात्पर्य
        - चुनाव का महत्त्व
        - सही प्रतिनिधि के चुनाव से लोकतंत्र की रक्षा
    iii. **आज की बचत कल का सुख** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
        - बचत का अर्थ एवं स्वरूप
        - दुःखदायक स्थितियों में बचत का महत्त्व
        - वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना
14. अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि महानगरीय जीवन दुखद भी है तथा सुखद भी।

OR

आपके मोहल्ले में बिजली प्रायः रात्रि के समय कई-कई घंटों के लिए चली जाती है। बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों से अवगत कराते हुए बिजली विभाग के संबंधित अधिकारी को पत्र लिखिए।

15. विद्यालय में आयोजित होने वाली कथा प्रस्तुति के लिए हिन्दी विभाग के संयोजक की ओर से 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

OR

विद्यालय के सुचनापट्ट पर खेल अधीक्षक द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट की जानकारी हेतु 20-25 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

16. कोचिंग सेंटर हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

OR

अपने विद्यालय में होने वाले निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से संबंधित विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

17. **जब मैं पहुँचा परीलोक** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

एक नदी का दुख विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 07 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) भाग्य को
   II. (ii) क्योंकि इसके गर्भ में अनंत रत्न हैं
   III. (iii) क्योंकि उसका मानना है कि उसने प्रयास तो किया
   IV. (ii) भाग्यवादी व्यक्ति
   V. (i) कर्मशील व्यक्ति

OR

   I. (iii) मानव सेवा में विद्युत शक्ति
   II. (iii) मनुष्य को विद्युत शक्ति के रूप में कल्पवृक्ष की प्राप्ति हुई है।
   III. (iv) क्योंकि उससे मनुष्य अपनी सुख-सुविधा के अनेक कार्य सम्पन्न कर सकता है।
   IV. (i) अंधकार
   V. (i) मनुष्य का सपना साकार हो गया है।
2. I. (ii) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव
   II. (i) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना
   III. (i) संगठन की भावना पर
   IV. (iii) उनके अपनत्व पर
   V. (iii) गांधी जी की नैतिकता

OR

   I. (i) लड़कियों की ख़राब दशा पर
   II. (ii) बच्चों की दशा को सुधारना
   III. (iii) संतान का
   IV. (iv) असहिष्णुता का
   V. (i) क्षीण
3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (a) पाँच

   Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

ii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iii. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य 'योजक' शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं और उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। इस विकल्प में 'और' योजक शब्द का प्रयोग दो वाक्यों को जोड़ने के लिया किया जा रहा है, इसलिए यह संयुक्त वाक्य है।

ii. (b) तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य योजक शब्द के द्वारा जुड़े होने पर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते हैं और उनसे पूरे अर्थ का बोध होता है। इस विकल्प में भी दोनों वाक्य स्वतंत्र है किन्तु संयुक्त वाक्य बनाने के लिए समुच्चयबोधक अव्यय 'और' का प्रयोग किया गया है।

iii. (b) नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे हैं।

iv. (d) मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक शब्द से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है। इनके बीच कार्य और कारण का संबंध है।

v. (d) कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'अतः' योजक शब्द से जुड़े हैं और दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तत्पुरुष

Explanation: तत्पुरुष, उदाहरण- दानपेटी = दान के लिए पेटी।

ii. (a) अव्ययीभाव समास

Explanation: अव्ययीभाव समास

उदाहरण- आमरण = आ + मरण

अर्थ- मरण तक

iii. (c) कर्मधारय समास

Explanation: कर्मधारय समास

उदाहरण- लालमिर्च = लाल है जो मिर्च

लाल- विशेषण

मिर्च- विशेष्य

iv. (a) द्विगु समास

Explanation: द्विगु समास

उदाहरण- त्रिकोण = तीन कोनों का समाहार (समूह)

v. (b) बहुब्रीहि समास

Explanation: बहुब्रीहि समास

उदाहरण- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाला अर्थात श्रीकृष्ण।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) आटे-दाल का भाव मालूम होना

Explanation: आटे-दाल का भाव मालूम होना - परिवार की ज़िम्मेदारी सिर पर आते ही रामलाल को आटे-दाल का भाव मालूम पड़ गया।

ii. (b) आग बबूला होना

Explanation: आग बबूला होना - विभीषण का नाम सुनते ही रावण आग बबूला हो उठा।

iii. (d) दुखी व्यक्ति को और दुःख देना

Explanation: दुखी व्यक्ति को और दुःख देना - अपाहिज सोनू के लिए सांत्वना के शब्द मानो घाव पर नमक छिड़कने का काम करते हैं।

iv. (b) बाट जोहती रही

Explanation: बाट जोहती रही - राह देखना

v. (d) सिर पर कफ़न बाँधना

Explanation: सिर पर कफ़न बाँधना - सीमा पर फौज़ी सिर पर कफ़न बाँध कर शत्रुओं का सामना करते हैं।

7. I. (ii) देशवासियों को

II. (iii) मातृभूमि के लिए खुद का बलिदान देना

III. (i) भारत देश

IV. (iv) दुश्मन को संभलने का मौका नहीं देना

8. I. (iii) वे मानव और पशु-पक्षियों के रखवाले थे

II. (i) सारे जीव-जंतुओं का

III. (ii) रास्ते से

IV. (iii) घोड़े के टाप की आवाज से

V. (iv) क्योंकि वे चीटियों की भाषा जानते थे

9. I. (i) वातावरण का शांत होना

II. (ii) एक पर्णकुटी में

III. (iii) चिंतामुक्त होने

IV. (iv) चाय पिलाने की तैयारी के समय

V. (i) चाजीन ने

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. बड़े भाई साहब की डाँट सुनकर छोटा भाई डरकर टाइम-टेबिल बनाता था, परंतु अपने स्वभाव से विवश होकर वह उसका पालन नहीं कर पाता था। जब वार्षिक परीक्षा में बड़े भाई साहब फेल हो गए और वह पास हो गया, तब उसके मन में बड़े भाई साहब के प्रति रोष उत्पन्न हुआ, परंतु उसने शीघ्र ही उन विचारों को यह सोचकर अपने मन से बाहर निकाल दिया कि बड़ा और अधिक अनुभवी होने के कारण बड़े भाई को उससे अधिक समझ है। बड़े भाई साहब को उसे डाँटने और समझाने का पूरा अधिकार है।

ii. वामीरो ने मधुर स्वर में गीत गाना अधूरा इसलिए छोड़ दिया क्योंकि जब वह समुद्र के किनारे बेसुध होकर गीत गा रही थी उसी वक्त एक ऊँची लहर उठी और उसे भीगो गई। इसी हड़बड़ाहट में गीत गाना भूल गई।

iii. लेखक के अनुसार पहले मनुष्य सारे संसार को एक परिवार मानता था। वह खुले दालानों और आँगनों में सबके साथ रहता था। धीरे-धीरे उसने अपने को सीमित दायरों में कैद करना शुरू किया। उसने अपने जीवन को छोटे-छोटे डिब्बेनुमा कमरों में कैद कर लिया है| लेखक के अनुसार यहीं अंतर पहले के मनुष्य और अभी के मनुष्य में है |

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: श्री सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित 'मनुष्यता' कविता में मानवता, एकता, सहानुभूति, सद्भाव, उदारता और करुणा आदि के भाव को प्रतिपादित किया गया है। कवि अपनी कविता के द्वारा मनुष्य को स्वार्थ, भिन्नता, वर्गवाद, जातिवाद आदि संकीर्णताओं से मुक्त करना चाहता है। मनुष्य में उदारता के भाव भरना चाहता है। कवि चाहता है कि हर मनुष्य समस्त संसार में अपनत्व की अनुभूति करे। हर मनुष्य को दुखियों, वंचितों और जरूरतमंदों के लिए बड़े से बड़ा त्याग करने को भी तैयार रहना चाहिए। वह कर्ण, दधीचि, रंतिदेव आदि के अतुल त्याग से प्रेरणा ले। एक-दूसरे का सहयोग करके देवत्व को प्राप्त करे। हम सब एक ही ईश्वर की संतान है अतः सभी मनुष्य भाई -बंधु हैं और मनुष्य वही है जो दुःख में दूसरे मनुष्यों के काम आये। वह हँसता-खेलता जीवन जिए तथा आपसी मेल-भाव को बढ़ाने का प्रयास करे। उसे किसी भी सूरत में अलगाव और भिन्नता को हवा नहीं देनी चाहिए। ऐसी सोच वाला मनुष्य ही अपना और दूसरों का कल्याण और उद्धार कर सकता है।। यही इस कविता का मूल भाव है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. विद्यालय में प्रधानाचार्य व शिक्षकों का छात्रों से एक मित्र और मार्गदर्शक का व्यवहार होना चाहिए, परंतु विद्यालय में अनुशासन को कायम रखने के लिए कठोरतापूर्ण व्यवहार अथवा निर्णय लेने में कोई बुराई नहीं है। यदि इसमें छात्रों का हित है तो सर्वथा उचित है, अन्यथा अनुचित है।

पाठ के अनुसार विद्यालय के प्रधानाचार्य शर्मा जी का छात्रों के प्रति स्नेहपूर्ण व्यवहार उन्हें एक श्रेष्ठ इंसान बनाता है,

किन्तु अध्यापक प्रीतमचंद का अनुशासन, छोटी गलतियों पर बड़ी सजा देना, बच्चों के प्रति उनके अमानवीय व्यवहार को दर्शाता है।

वर्तमान की शिक्षा प्रणाली में प्रधानाचार्य व शिक्षकों को बच्चों के प्रति नरमी, सहृदयता बच्चों के विकास में पूर्ण रूप से सहायक है। अभद्र और अशोभनीय व्यवहार बच्चों में स्वयं के प्रति असुरक्षा और आतंक जैसी दुर्भावनाओं को जन्म देता है।

ii. i. संबधो में किसी भी प्रकार का लालच / स्वार्थ न आने देना।
ii. जीते-जी किसी के नाम जायदाद न करना।
iii. धार्मिक अंधविश्वास / बहकावे में न आना ।
iv. राजनीतिक बहकावे में न आना।
v. परिवार में एक-दूसरे के प्रति भरोसा, विश्वास कायम रखना।
vi. परिवार में बाहरी हस्तक्षेप का न होना।
vii. परिवारों में और धार्मिक स्थलों में बढ़ रही स्वार्थलोलुपता में न फंसना।

iii. टोपी पढ़ाई में काफ़ी तेज़ था, परंतु उसे पढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण नहीं मिल पा रहा था। अनुकूल वातावरण के अभाव में वह एक ही कक्षा में दो-दो बार फेल हो गया था। फ़ेल हो जाने के कारण घर एवं विद्यालय में उसके साथ कोई भी अच्छा व्यवहार नहीं कर रहा था। अध्यापकों की टिप्पणियाँ टोपी के लिए अत्यंत पीड़ादायक थी और उसके मनोबल को तोड़ने का कार्य करती थीं। घर पर भी टोपी के साथ व्यवहार अच्छा नहीं था। इन सभी के आधार पर कहा जाना चाहिए कि विद्यालय और घर में टोपी के प्रति होने वाला दोहरा व्यवहार हमारे सामाजिक ढाँचे को हिलाकर रख देता है। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में असफल होता है, तो हमें उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, परंतु टोपी के साथ ठीक विपरीत व्यवहार हो रहा था, जो मानवीय मूल्यों के विघटन को दर्शाता है।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. इंटरनेट आज पूरे देश के लोगों के जीवन में सफलता का एक बड़ा रोल अदा कर रही है। इंटरनेट हमें हर वक्त अपडेट रखती है। इंटरनेट ने कई बदलाव लाए हैं। जिस तरह से हम रहते हैं और अपने विभिन्न कार्य करते हैं इसने इन सबको बदल के रख दिया है। इंटरनेट अपने कई उपयोगों के लिए जाना जाता है और इसने लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। आज लगभग सभी चीजें ऑनलाइन हो गई है। यात्रा और पर्यटन ऐसे क्षेत्रों में से एक है जिस पर इंटरनेट का भारी प्रभाव पड़ा है।

इंटरनेट की दुनिया हमारे जीवन में क्रांति ला चुकी है और हमें इसकी इस तरह से लत लग चुकी है कि अब एक पल भी इसके बिना रहना दूभर सा लगता है।

इंटरनेट दुनिया में, किसी को व्यापार या अन्य उद्देश्यों के लिए अपनी बैठक के लिए लंबी दूरी की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं है कोई वीडियो कॉलिंग, कॉन्फ्रेंसिंग, स्काइप या अन्य टूल का इस्तेमाल करके अपने कार्यालय से ऑनलाइन बैठक कर सकता है। यह अपने वांछित विद्यालय, कॉलेज या विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन प्रवेश पाने में मदद करता है, जो अत्यधिक कुशल कर्मचारियों और शिक्षकों, व्यापार लेनदेन, बैंकिंग लेनदेन, ड्राइविंग लाइसेंस, पैसे हस्तांतरण, सीखने के व्यंजनों, बिल भुगतान, मुफ्त वितरण पर कुछ भी खरीदते हैं।

ii. 'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या

प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

iii. **आज की बचत कल का सुख**

वर्तमान आय का वह हिस्सा, जो तत्काल व्यय (खर्च) नहीं किया गया और भविष्य के लिए सुरक्षित कर लिया गया 'बचत' कहलाता है। पैसा सब कुछ नहीं रहा, परंतु इसकी ज़रूरत हमेशा सबको रहती है। आज हर तरफ़ पैसों का बोलबाला है, क्योंकि पैसों के बिना कुछ भी नहीं। आज जिंदगी और परिवार चलाने के लिए पैसे की ही अहम भूमिका होती है। आज के समय में पैसा कमाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक कठिन है। पैसे को अपने भविष्य के लिए सुरक्षित बचाकर रखना, क्योंकि अनाप-शनाप खर्च और बढ़ती महँगाई के अनुपात में कमाई के स्रोतों में कमी होती जा रही है, इसलिए हमारी आज की बचत ही कल हमारे भविष्य को सुखी और समृद्ध बना सकने में अहम भूमिका निभाएगी।

जीवन में अनेक बार ऐसे अवसर आ जाते हैं, जैसे आकस्मिक दुर्घटनाएँ हो जाती हैं, रोग या अन्य शारीरिक पीड़ाएँ घेर लेती हैं, तब हमें पैसों की बहुत आवश्यकता होती है। यदि पहले से बचत न की गई तो विपत्ति के समय हमें दूसरों के आगे हाथ फैलाने पड़ सकते हैं।

हमारी आज की छोटी-छोटी बचत या धन निवेश ही हमें भविष्य में आने वाले तमाम खर्चे का मुफ़्त समाधान कर देती हैं। आज की थोड़ी-सी समझदारी आने वाले भविष्य को सुखद बना सकती है। बचत करना एक अच्छी आदत है, जो हमारे वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के लिए भी लाभदायक सिद्ध होती है। किसी ज़रूरत या आकस्मिक समस्या के आ जाने पर बचाया गया पैसा ही हमारे काम आता है। संक्षेप में कह सकते। हैं कि बचत करके हम अपने भविष्य को सँवार सकते हैं।

14. 275-पी कैलाशपुरी

नई दिल्ली।

दिनांक : 30 मार्च, 2019

प्रिय मित्र मोहित,

सप्रेम नमस्कार।

तुम्हारा पत्र मिले काफी दिन हो गए। मन में चिंता हो रही थी तो मैंने तुम्हें पत्र लिखने का निश्चय किया। पहले तुमने दिल्ली में रहने की उत्सुकता दिखाई थी। आज मैं तुम्हें दिल्ली के जीवन में अवगत कराना हूँ।

तुम जानते हो कि दिल्ली भारत की राजधानी है। इसका पुराना इतिहास है। यह नगर इतिहास है। यह नगर अनेक बार उजड़ा और बसा। यहाँ पर भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के लोग आए और गए। यहाँ की चौड़ी सड़कें, गगनचुंबी इमारतें, ऐतिहासिक इमारतें

आदि एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती हैं। यहाँ संसार की सब सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अनेक शिक्षण संस्थाएँ, नौकरी के लिए हजारों क्षेत्र उपलब्ध हैं। चिकित्सा सुविधाएँ विद्यमान हैं।

महानगरी का दूसरा रूप अत्यंत बुरा है। यहाँ घंटो यातायातजाम रहता है। दूसरे, यहाँ आवास की समस्या है। मकान मिलना तो लॉटरी खुलने के समान है। यहाँ पारस्परिक सद्भाव का अभाव है। सारा जीवन मशीनी ढंग से चलता रहता है।यहाँ निर्धन व्यक्ति के लिए कोई जगह नहीं। आशा है कि तुम महानगरीय जीवन से कुछ परिचित हो गए होगे। शेष जानकारी साक्षात्कार होने पर मिल जाएगी। शेष सब कुशल है।

छोटों को प्यार और बड़ों को प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र

राहुल

OR

परीक्षा भवन,

गाजियाबाद।

दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,

विद्युत अधिकारी,

गाजियाबाद।

विषय विद्युत कटौती के संदर्भ में।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान बिजली संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले चार-पाँच महीनों से इस क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बहुत खराब स्थिति में है। कोई समय निश्चित नहीं है कि बिजली की कटौती कब-से-कब तक की जाएगी और वह कब आएगी? बिजली जाती है, तो घंटों तक नहीं आती है।

श्रीमान, मैं एक विद्यार्थी हूँ। बोर्ड की परीक्षाएँ निकट हैं। मेरे जैसे अन्य विद्यार्थी भी इस समस्या से तनाव की स्थिति में रहते हैं। इन्वर्टर भी चार्ज नहीं हो पाता है, गर्मी और मच्छरों का आतंक अलग से हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा, तो हमारे अध्ययन एवं करियर पर इसका अत्यंत नकारात्मक असर पड़ेगा।

कृपया हमारी समस्या पर ध्यान देते हुए मोहल्ले में नियमित बिजली आपूर्ति के लिए शीघ्रातिशीघ्र ठोस कदम उठाएँ।

धन्यवाद।

भवदीय

संदीप

15.

बसंत पब्लिक स्कूल

सूचना

दिनांक: 20 जनवरी 2020

"कथा प्रस्तुति कार्यक्रम"

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सहर्ष सूचित किया जाता है कि आगामी पन्द्रह दिन बाद दिनांक 15 जनवरी, 2020 सोमवार का प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक कथा प्रस्तुति कार्यक्रम रखा गया है यह कार्यक्रम हिन्दी विभाग के संयोजन से शुरू होगा। इसमें सभी की उपस्थिति गरिमापूर्ण है।

आज्ञा से संयोजक हिन्दी विभाग

OR

सूचना

जूनियर इंटर स्कूल टूर्नामेंट 20 फरवरी से विद्यालय के प्रागंण में आरंभ होंगे। चयन हेतु मैच विद्यालय के पश्चात् 1 अप्रैल से 8 अप्रैल, 2019 तक 3:30 बजे से 6 बजे तक खेले जाएँगे।

सभी छात्र जो 12 से 14 आयु वर्ग के खेलने के इच्छुक हैं, अपना नाम सेक्रेटरी, क्रिकेट एसोसिएशन, न्यू इरा स्कूल को 30 मार्च, 2019 तक दे सकते हैं।

सेक्रेटरी खेल क्लब

खेल अधीक्षक

16.

सभी कक्षाओं के लिए

तृप्ति कोचिंग सेंटर

कक्षा 6 से 10 तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार	कक्षा 11वीं से 12वीं तक मंगलवार, वीरवार, शनिवार

तृप्ति कछवाहा

फोन: 788888xxxx

ईमेल: tripti@cochingcentre.com

OR

विज्ञापन

निशुल्क! निशुल्क! निशुल्क! निशुल्क! निशुल्क!

श्री गोविन्दम् विद्यालय परिसर में
सबके लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन
शिविर में विद्यालय के सभी कर्मचारियों और विद्यार्थियों का निशुल्क परीक्षण
विद्यालय का मानना है अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन का सच्चा आनंद है,
कहा भी गया है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।
शिविर का दिनांक- 01-02-20 समय प्रातः 9:30 बजे से
अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें-
सचिव
विद्यालय स्वास्थ्य सेवा समिति
दूरभाष संख्या - 0000000000
विद्यालय प्रशासन द्वारा जारी

17. **जब मैं पहुँचा परीलोक**

एक दिन मैं सुबह सूर्यादय से पहले घूमने निकला। चलते-चलते मैं अचानक एक बहुत ही खूबसूरत स्थान पर पहुँच गया। वहाँ सब तरफ सिर्फ सुन्दरता ही व्याप्त थी और श्वेत वस्त्रों में जादुई छड़ियों के साथ परियाँ वहाँ घूम रही थी। एक ओर पेड़ों पर फल लटक रहे थे तो दूसरी ओर दूध का झरना बह रहा था। मैंने जी भर के फल खाए और दूध पिया। अब मुझे नींद आ गई। अचानक मुझे लगा जैसे कोई मुझे झिंझोड़ कर जगा रहा है। जब मैंने आँख खोली तो देखा कि मैं तो अपने घर में ही अपने बिस्तर पर सो रहा था। आखिर सपनों में ही सही परी लोक की सैर तो हो ही गई।

OR

एक नदी का दुख

मैं एक नदी हूँ। मैं सारे संसार के लिए बहुत आवश्यक हूँ क्योंकि मैं पानी का एक स्रोत हूँ और जीवन में पानी बहुत अमूल्य धरोहर है। सभी को मेरी जरूरत है चाहे वो मनुष्य हो चाहे पेड़, पौधें और खेत हों। मैं हर जगह पर मौजूद हूँ, लेकिन अलग अलग नामों से जानी जाती हूँ। एक समय था जब मैं पूरी तरह स्वच्छ और निर्मल हुआ करती थी और एक आज का समय है जब मैं गंदगी से भर दी गई हूँ। मानव ने कूड़ा-कचरा डाल कर मेरे जल को हानिकारक बना दिया है। इंसान ने अपने जरूरत के समय मेरा उपयोग किया और अब मुझे एक कचरे का ढेर बना दिया गया है।
इसका नुकसान मेरे जल में रहने वाले जीवों के साथ पूरे संसार को है। लेकिन मैं अपना यह दुख किसी से नहीं कह सकती हूँ।